an>

Title: Regarding reported involvement of Pakistan in terrorist attack on Samjhauta Express in 2007.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): अध्यक्ष महोदया, हालांकि बहुत सारे विषय मेरे सम्माननीय मित्र ने रखे हैं। मैं इसमें केवल एक-दो चीजें और जोड़ना चाहता हूं। इसके फर्स्ट इन्फार्मर इन्वेस्टीगेशन आफिसर गुरदीप सिंह जी थे। उन्होंने बकायदा अपनी रिपोर्ट में कहा है कि जो अजमत अली पकड़ा गया था, वह अपना पता पहाड़गंज का बताता था और इसने अपना नाम राजेश खन्ना रखा हुआ था। ...(व्यवधान) यह रिकार्ड में है। बकायदा यह बात सोची गयी थी कि इससे पूछताछ की जाये। उसने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि ऊपर के दबाव के कारण इसे छोड़ा गया। यह बात सफदर नागौरी, जो सिमी का पूर्व अध्यक्ष है, जब उसका नार्को टेस्ट हुआ, उसने स्वीकार किया कि सिमी के आतंकवादी और पाकिस्तान की योजना के साथ यह विस्फोट काण्ड हुआ था, जिसमें 68 लोग मारे गए थे। ...(व्यवधान) उसके छोटे भाई ने भी इस बात की पुष्टि की। मैडम, आपको शहर का नाम सुनकर बहुत अच्छा नहीं लगेगा, लेकिन इन्दौर का अब्दुल रज्जाक भी इसमें शामिल था। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मुझे मालूम है।

श्री राजेन्द्र अग्रवाल : ये सारी बातें कही गयी हैं। लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित को इसमें शामिल बताया गया, सारी बातें कही गयी हैं। जब शिन्दे साहब से मीडिया के लोगों ने पूछा कि वह कौन था, तो उन्होंने कहा कि उन दिनों मैं गृहमंत्री नहीं था। जो व्यक्ति उन दिनों गृहमंत्री थे, उनको सारा देश जानता है। उन्होंने जिस प्रकार की बातें कही हैं, ...(व्यवधान) गृह मंत्रालय के दफ्तर का दुरूपयोग हिन्दुस्तान की छवि खराब करने के लिए गया। सबको साथ लेकर चलने वाले, सर्व धर्म समभावी हिन्दुत्व का अपमान करने के लिए ऐसा किया गया, इसलिए यह बहुत चिन्ताजनक है।

मैडम, मेरी एक चिन्ता यह भी है कि विरोधी पक्ष का विरोध करते समय क्या कोई दल इस सीमा तक जा सकता है कि देश के खिलाफ षडयंत्र रचने वाले आतंकवादियों का संरक्षक बन जाए? ...(व्यवधान) मेरा आपके माध्यम से सवाल है।...(व्यवधान) आप लोग मेरी बात सुन लीजिए। ...(व्यवधान) मेरा आपके माध्यम से सवाल है कि क्या यह यूपीए और कांग्रेस की दिशाभ्रम है या दिशाभ्रम है या यह एक षडयंत्र है, इस बात की जांच की जाए। ...(व्यवधान) देश के प्रति दुश्मनी का भाव रखने वालों के साथ खड़े होना बहुत चिन्ताजनक बात है। इसकी पूरी जांच की जाए कि तत्कालीन गृहमंत्री जी की इसमें क्या भूमिका थी। ...(व्यवधान) मैं एक मिनट में अपनी बात समाप्त करूंगा। ...(व्यवधान) न जाने क्या बात है कि जब बाटला हाउस काण्ड होता है, उस समय एक स्टेटमेंट आता है। चीन के साथ हमारा विवाद है और इनके नेता चीन के एम्बेस्डर से मिलने जाते हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अब आपकी बात आ गयी है।

श्री नाना पटोले ।

श्री राजेन्द्र अग्रवाल : इनके सांसद पाकिस्तान में जाकर मोदी जी को हटाने के लिए मदद मांगते हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री शरद त्रिपाठी,

डॉ. मनोज राजोरिया,

श्री ओम बिरला,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत,

श्रीमती मीनाक्षी लेखी,

श्री रोड़मल नागर,

श्री आलोक संजर,

श्री अश्विनी कुमार चौबे,

श्री अजय मिश्रा टेनी एवं

श्री निशिकान्त दुबे को श्री राजेन्द्र अग्रवाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री गणेश सिंह : मैडम, मंत्री जी को इस बारे में रिस्पांड करना चाहिए। दो माननीय सदस्यों ने इस विषय को सदन में उठाया है, इस मामले की जांच होनी चाहिए। मंत्री जी को इस बारे में रिस्पांड करना चाहिए।

माननीय अध्यक्ष : वह करना चाहें तो करें, मैं मना नहीं करूंगी।

श्री नाना पटोले ।